# बच्चों को प्रकृति से जोड़ने का एक अनोखा पक्षी कार्ड खेल

आजकल जब बच्चे जुनूनी किस्म के वीडियो गेम में अपनी आंखें और दिमाग खराब कर लेते हैं, शिक्षक दिवस पर नेचर कंजर्वेशन फाउंडेशन की ओर से हिंदी में पक्षियों पर खूबसूरत रंगों और आकर्षक तस्वीरों से तैयार किया गया एक अनोखा कार्ड गेम पेश किया गया है, जो मोबाइल की लत छुड़वाकर बच्चों को पक्षियों और प्रकृति से जोड़ने की कोशिश करता है!

पक्षी परिचय भारत के सुपरिचित पक्षियों पर आधारित 40 कार्डों का आकर्षक रंगीन सेट है, जिसका उद्देश्य है खेल के माध्यम से पक्षियों के प्रति जागरूकता बढ़ाना! इस शिक्षाप्रद खेल के हर कार्ड में एक ओर पक्षियों के आकर्षक चित्र हैं और दूसरी ओर उनके नाम, परिवेश, भोजन और भौगोलिक क्षेत्र के बारे में विस्तृत जानकारी के साथ उन्हें पहचानने- बूझने की बेहद रोचक पहेलियाँ भी हैं!

इस गेम को आकार देने वाली अर्ली बर्ड टीम की प्रमुख गरिमा भाटिया कहती हैं - शहरी बच्चों के लिए आजकल मोबाइल फोन और इन्टरनेट पर पक्षियों और वन्य जीवन पर बहुत सी जानकारी उपलब्ध है लेकिन उसमें से ज्यादातर गैर-भारतीय प्रजातियों पर केन्द्रित है जिसका नतीजा यह होता है कि बच्चे हमिंग बर्ड और बाल्ड ईगल के बारे में तो सीख जाते हैं, लेकिन अपने घर के आसपास पाए जाने वाले चील और शक्करखोरे जैसे पक्षियों से अनजान रह जाते हैं। आजादी के 76वें वर्ष में शिक्षा दिवस पर हम कोशिश कर रहे हैं कि बच्चे मोबाइल के पटल और इसपर मिलने वाली सुदूर-विदेशी जानकारी को छोड़ सुपरिचित भारतीय पक्षियों के माध्यम से अपनी प्राकृतिक धरोहर को जानें।

पक्षी परिचय की अंग्रेजी कार्ड गेम का शिक्षा जगत में भरपूर स्वागत हुआ । राज्य निदेशक फरीदा तामपाल ने कहा, हमने देखा कि आम तौर पर शरारती बच्चों ने भी इसमें बहुत दिलचस्पी ली और इसमें रमकर एक दूसरे से बढ़ चढ़कर आगे निकलने की कोशिश करने लगे! पणजी गोवा के पर्यावरण सलाहकार और वास्तुकार तल्लुलाह डी सिल्वा ने कहा -

विद्यार्थियों के लिए ये कार्ड आसपास दिखाई देने वाले पक्षियों को जानने और उन्हें समझने में बेहद कारगर सिद्ध हुए। मैंने देखा कि उम्र चाहे जो भी हो, इसमें भाग लेने वाला हर खिलाड़ी सहज ही इन चित्रों और उनके साथ दी गयी जानकारी का एक हिस्सा बन जाता है!

पक्षियों और प्रकृति में रूचि रखने वाले चिरदीप शेट्टी कहते हैं, मैंने इन काड्र्स का इस्तेमाल अपने ढ़ाई वर्षीय बेटे को सोने से पहले कहानियां सुनाने के लिए किया और मजे की बात यह है कि अब वह इनमें से 25-30 पक्षियों को पहचानने लगा है। अब हम बाहर घूमने जाते हैं तो वह मुझे बताता है, वह देखो, मैना, बुलबुल, शक्करखोरा...!

पक्षी परिचय संबंधी जानकारी को आप अपने और मित्रों के बच्चों और उनके शिक्षक में आगे बढ़ाएं और इस प्राकृतिक धरोहर को जानने और सुरक्षित रखने में सहभागी हो सकें।

हिंदी में रचित यह नया शिक्षाप्रद खेल पक्षी परिचय बच्चों को भारतीय पक्षियों के बारे में जानकारी देने के लिए विकसित किया गया है। यह खेल उन सभी के लिए है जो भारत में पाए जाने वाले आम पक्षियों के स्वभाव, उनके परिवेश और उनकी जीवनचर्या से संबंधित दिलचस्प तथ्य जानने में रूचि रखते हैं। यह खेल विशेष रूप से उन मार्गदर्शकों और शिक्षकों के लिए उपयोगी होगा जो कक्षा में और उससे बाहर बच्चों के लिए नयी रचनात्मक गतिविधियों की तलाश में हैं।

**(प्रस्तुतिः सुधा अरोड़ा)**